अदरक में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं औषधि गुण

ओमजी पाठक ध्मुख्य संवाददाता डे टुडे इंडिया

कानपुर देहात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की शोध छात्रा मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक में औषधि गुण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं उन्होंने कहा कि भारत में अदरक की खेती का क्षेत्रफल लगभग एक सौ 36000 हेक्टेयर है जो उत्पादित अन्य मसालों में प्रमुख है उन्होंने आगे कहा कि भारत विश्व में उत्पादित अदरक का आधा भाग पूरा करता है अदरक की खेती मानसून फसल के रूप में अप्रैल–मई में की जाती है जो दिसंबर में परिपक्व होती है मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक का प्रयोग मसाले औषधि तथा सौंदर्य सामग्री बनाने के रूप में प्रयोग किया जाता है उन्होंने आगे बताया कि अदरक का सूट के रूप में प्रयोग अत्यंत लाभकारी है तथा सर्दी जुकाम खांसी खून की कमी पथरी वृद्धि पीलिया पेट के रोग बवासीर अपच तथा वायु रोगियों के लिए यह अत्यंत लाभकारी है उन्होंने आगे बताया कि इसका प्रयोग मसालों के रूप में जैसे चटनी जेली सब्जियां लड्डू आदि बनाने में उपयोग किया जाता है उन्होंने आगे बताया कि अदरक में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है साथ ही अदरक स्तन कैंसर पैदा करने वाले सेल को बढ़ने से रोकता हैअदरक में खून पतला करने की अद्भुत क्षमता होती है तथा रक्तचाप जैसी बीमारी को तुरंत में लाभ मिलता है

हिन्दी दैनिक समाचार

RNI No. UPHIN/2007/23059

विशाल प्रदेश

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 45 | शुक्रवार 05 मार्च 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

सीएसए की शोध छात्रा मुक्ता सूर्या ने अदरक के गुणों की दी जानकारी

शाहिद शेख सिद्दीकी

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की शोध छात्रा मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक में औषधि गुण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं उन्होंने कहा कि भारत में अदरक की खेती का क्षेत्रफल लगभग 136 हजार हेक्टेयर है जो उत्पादित अन्य मसालों में प्रमुख है उन्होंने कहा कि भारत विश्व में उत्पादित अदरक का आधा भाग पूरा करता है उन्होंने बताया कि अदरक की खेती मानसून फसल के रूप में अप्रैल-मई में की जाती है जो दिसंबर में परिपक्व होती है मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक का प्रयोग मसाले,औषधि तथा सौंदर्य सामग्री बनाने के रूप में प्रयोग किया जाता है उन्होंने बताया कि अदरक का सोंठ के रूप में प्रयोग अत्यंत लाभकारी है तथा सर्दी, जुकाम, खांसी, खून की कमी, पथरी, लीवर वृद्धि, पीलिया, पेट के रोग, बवासीर, अपच तथा वायु रोगियों के लिए यह लाभकारी है उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग मसालों के रूप में जैसे चटनी, जैली, सब्जियां, लड्डू आदि बनाने में उपयोग किया जाता है उन्होंने बताया कि अदरक में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है साथ ही अदरक स्तन कैंसर पैदा करने वाले सेल को बढ़ने से रोकता है उन्होंने कहा कि अदरक में खून पतला करने की अदभुत क्षमता होती है तथा रक्तचाप जैसी बीमारी को में तुरंत लाभ मिलता है

लखनऊ संस्करण

05 मार्च, 2021

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

For epaper → www.updainikbhaskar.com

06

भारत में अदरक की खेती का क्षेत्रफल एक सौ 36 हजार हेक्टेयर है, जो उत्पादित अन्य मसालों में प्रमुख है

कानपुर। सीएसए के गृह विज्ञान महाविद्यालय की शोध छात्रा मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक में औषधि गुण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अदरक की खेती का क्षेत्रफल लगभग एक सौ 36 हजार हेक्टेयर है। जो उत्पादित अन्य मसालों में प्रमुख है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व में उत्पादित अदरक का आधा भाग पूरा करता है। उन्होंने बताया कि अदरक की खेती मानसून फसल के रूप में अप्रैल-मई में की जाती है जो दिसंबर में परिपक्व होती है। मुक्ता सूर्या ने बताया कि अदरक का प्रयोग मसाले,औषधि तथा सौंदर्य सामग्री बनाने के रूप में प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि अदरक का सोंठ के रूप में प्रयोग अत्यंत लाभकारी है। तथा सर्दी, जुकाम, खांसी, खून की कमी, पथरी, लीवर वृद्धि, पीलिया, पेट के रोग, बवासीर, अपच तथा वायु रोगियों के लिए यह लाभकारी है। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग मसालों के रूप में जैसे चटनी,जैली, सब्जियां, लड्डू आदि बनाने में उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि अदरक में एंटी ऑक्सीडेंट होता है। जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। साथ ही अदरक स्तन कैंसर पैदा करने वाले सेल को बढ़ने से रोकता है।

चौ. बेचेलाल महाविद्यालय
रसूलपुर, धौरहरा, लखीमपुर-खीरी
(सम्बद्ध-लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ)

आवश्यकता है

प्राचार्य/विभागाध्यक्ष पद-01
(शिक्षण अनुभव 15 वर्ष)
सह० आचार्य पद-बी०एड०
सामाजिक अध्ययन शिक्षण-02
गणित शिक्षण-02
शिक्षा के परिप्रेक्ष्य-04
भाषा शिक्षण-02
फाइन आर्ट-01
सह० आचार्य पद-बी०ए०
अंग्रेजी साहित्य 01, समाजशास्त्र 01, भूगोल 01, गृह विज्ञान 01
सह० आचार्य पद-बी०एस-सी०
विज्ञान वर्ग
रसायन विज्ञान 01, गणित 01
सह० आचार्य पद-एम०ए०
हिन्दी साहित्य-01
सह० आचार्य पद-बी०काम०
अनिवार्य सभी विषय
नोट-योग्यता यू.जी.सी./कानपुर विश्वविद्यालय के नियमानुसार समस्त शैक्षिक एवं अनुभव अभिलेखों की सत्यापित छायाप्रति सहित आवेदन रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें
Email : cblcollegerasulpur@gmail.com
सम्पर्क सूत्र-9919883417, 9115092672, 9628028256

05 march_jan express - Read-only

जन एक्सप्रेस

@janexpresslive

लखनऊ, शुक्रवार, 05 मार्च, 2021 वर्ष : 12, अंक : 142, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

मसाले, औषधि तथा सौंदर्य सामग्री बनाने मे होता है अदरक का प्रयोग

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। अदरक की खेती मानसून फसल के रूप में अप्रैल-मई में की जाती है जो दिसंबर में परिपक्व होती है भारत विश्व में उत्पादित अदरक का आधा भाग पूरा करता है भारत में अदरक की खेती का क्षेत्रफल लगभग एक सौ 36 हजार हेक्टेयर है जो उत्पादित अन्य मसालों में प्रमुख है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय की शोध छात्रा मुक्ता सूर्या ने बताते हुए कहा कि अदरक का प्रयोग मसाले, औषधि तथा सौंदर्य सामग्री बनाने मे किया जाता है तथा यह सर्दी, जुकाम, खांसी, खून की कमी, पथरी, लीवर वृद्धि, पीलिया, पेट के रोग, बवासीर, अपच तथा वायु रोगियों के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि अदरक में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही स्तन कैंसर पैदा करने वाले सेल को बढ़ने से रोकता है। इसमें खून को पतला करने की क्षमता होती है इसलिए इससे रक्तचाप की बीमारी में भी लाभ होता है।